केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 270 बुधवार 24 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सत्ता मिली तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाया जाएगा- मायावती

मेरठ (आभा)। बसपा अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि अखिलेश यादव की सपा नहीं चाहती कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लोगों को आरक्षण का लाभ मिले। मेरठ में चुनावी सभा को संबोधित कर रही मायावती के निशाने पर सत्ताधारी एनडीए की जगह इंडिया गठबंधन में शामिल सपा रही। मायावती ने यह भी दावा किया कि अगर उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में आयी तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाया जाएगा। बसपा प्रमुख ने मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र के अलीपुर मैदान में पार्टी उम्मीदवार देवव्रत कुमार त्यागी के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। मेरठ में भाजपा ने रामायण के राम अरुण गोविल को मैदान में उतारा है। उनके मुकाबले सपा ने दलित प्रत्याशी सुनिता वर्मा को टिकट दिया है। माना जा रहा है कि दलित प्रत्याशी के कारण ही मायावती के निशाने पर यहां सपा रही है।

मायावती ने हालांकि भाजपा और कांग्रेस पर भी निशाना साधा लेकिन आरक्षण को लेकर उनके निशाने पर सपा ही रही। मायावती ने कहा कि सरकारी नौकरियों में दलितों, आदिवासियों को दिया जाने वाला आरक्षण वर्षों से अभी तक पूरा नहीं हुआ है। मायावती ने कहा कि उप्र में जब सपा की सरकार थी तब एससी–एसटी वर्ग के सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण बिल्कुल खत्म कर दिया था। बसपा प्रमुख ने आम मतदाताओं को सपा से सचेत करते हुए कहा कि एससी–एसटी के कर्मचारी वर्ग ऐसी पार्टी (सपा) को वोट देकर अपना वोट खराब करेंगे, जो आपके आरक्षण को खत्म करने के लिए पूरे जी जान से लगी हुई है।

बस्ती से अयोध्या चौरासी कोसी परिक्रमा 24 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रामनगरी की 84 कोसी परिक्रमा का विधिवत शुभारंभ बैसाख कृष्ण प्रतिपदा के पर्व पर बुधवार 24 अप्रैल को मखभूमि (मखौड़ा धाम) से होगी। बस्ती जनपद में मनोरमा नदी के तट पर स्थित यह वह पौराणिक स्थल है जहां चक्रवर्ती नरेश महाराज दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराया था। इस यज्ञ के फलस्वरूप भगवान राम व उनके तीनों अनुजों का प्राकट्य हुआ। इस पवित्र से वृहत्तर अयोध्या की परिक्रमा सनातन काल से चली आ रही है। करीब 252 किमी. की इस परिक्रमा की परिधि में पौराणिक काल के विशिष्ट ऋषियों के आश्रम व अन्य तीर्थ भी है। लगभग 22 दिनों तक चलने वाली इस परिक्रमा का समापन सीताकुंड अयोध्या में जानकी नवमी के पर्व पर होता है। इस साल जानकी नवमी का पर्व 17 मई को मनाया जाएगा।

सनातन परिक्रमा की इस परम्परा को जीवंत रखने वाले श्री अयोध्या धाम 84 कोसी परिक्रमा धर्मार्थ सेवा संस्थान व नरोत्तम मंदिर कनीगंज महंत गया दास बताते हैं कि 22 दिनों तक चलने वाली इस परिक्रमा के 22 पड़ाव पूर्व निर्धारित हैं। इन पड़ावों पर रात्रि विश्राम के बाद श्रद्धालु अगले पड़ाव की ओर बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी पड़ाव स्थल पर स्थानीय ग्रामीण श्रद्धालुओं की समिति है जो परिक्रमा में आने वाले परिक्रमार्थियों की सुविधाओं का प्रबंध जन सहयोग से करती है।

अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा देश, किसी शरिया कानून से नहीं–योगी

लखनऊ (आभा)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और कहा कि भारत 'भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं। उत्तर प्रदेश में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला किया और कहा कि 1970 में, पार्टी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, और, 'गरीबी तो खत्म नहीं हुई लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी आजादी मिल गई।

योगी ने आगे कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है...तो हमारे दलित, पिछड़े, गरीब, किसान आदि कहां जाएंगे?ऽ उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों का शासन रहा, फिर भी 50 करोड़ लोगों के पास बैंक खाता नहीं था.. .अगर इतने सारे लोग इन बुनियादी जरूरतों से वंचित हैं तो इसके लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी जिम्मेदार हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे (कांग्रेस) गरीबी दूर नहीं कर पाए लेकिन अब उनकी नजर लोगों की मेहनत की कमाई, संपत्ति और आभूषणों पर है। वे महिलाओं की मेहनत की कमाई और उनकी मेहनत से बनाए गए आभूषणों को लूटने की कोशिश कर रहे हैं... वे केवल देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं... अब भारत के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे।' बागपत में योगी आदित्यनाथ ने कहा ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में दो बाते नजर आती हैं पहला– कांग्रेस कहती है कि शरिया कानून लागू कर देंगे इसका मतलब वे बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के लिए खतरा पैदा करना चाहते हैं। तालिबानी शासन लागू करना चाहते हैं। उनका घोषणा पत्र कहता है कि गरीबी हटा देंगे। वो बेटी, बहनों और माताओं के गहनों को जब्त करने की साजिश रच रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आज जो इण्डिया गठबंधन के रूप में आपके सामने आए हैं उन्होंने देश के साथ गद्दारी की है और फिर से गद्दारी करने के लिए ये अपने घोषणापत्र के साथ आपके सामने आए हैं... कांग्रेस कहती है कि हमारी सरकार बनी तो हम शरिया कानून लागू करेंगे...भारत बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा न कि किसी शरिया कानून से।

7 मई तक बढी केजरीवाल की हिरासत: जेल में मिली इंसुलिन

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले के आरोपियों को राहत नहीं मिल रही है। अब अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत फिर से बढ़ा दी है। सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी गई है। इसी के साथ अदालत ने शराब घोटाले के अन्य आरोपियों बीआएस नेता के कविता और चनप्रीत सिंह की भी न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। के कविता की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाई गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पेशी अब 7 मई को दोपहर 2 बजे होगी। बताया जा रहा है कि कथित शराब घोटाले में ईडी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग वाले केस में आरोपी बनाए गए सीएम अरविंद केजरीवाल और चनप्रीत सिंह की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में हुई थी। इनके अलावा बीआरएस नेता के कविता भी वर्चुअली अदालत में मौजूद थीं। तीनों ही आरोपी तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। के कविता की न्यायिक हिरासत सीबीआई से जुड़े केस में बढ़ाई गई है। के कविता की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाई गई है।

इससे पहले अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ाई गई थी। सीएम की न्याचिक हिरासत खत्म होने के बाद उन्हें जज कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया गया था। जज ने अब केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने का आदेश दिया है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले पर 29 अप्रैल को सुनवाई होनी है।

इससे पहले तिहाड़ जेल में अरविंद केजरीवाल की सेहत को लेकर भी काफी हंगामा मचा हुआ था। आम आदमी पार्टी आरोप लगा रही थी कि अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल बढ़ा हुआ है लेकिन तिहाड़ जेल प्रशासन उन्हें इंसुलिन नहीं दे रहा है। ।।च ने यहां तक कह दिया था कि जेल में सीएम केजरीवाल की जान लेने की साजिश की जा रही है। यह मामला कोर्ट पहुंचा। जिसके बाद अदालत ने मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया है। बोर्ड ने चेकअप के बाद केजरीवाल को इंसुलिन देने की सलाह दी। मंगलवार को अरविंद केजरीवाल को जेल में इंसुलिन दी गई।

अरविंद केजरीवाल को 21 मई को ईडी ने गिरफ्तार किया था। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता शराब घोटाले में ईडी और सीबीआई दोनों से जुड़े केस में न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने के कविता को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। ईडी ने जब उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था तब वो तिहाड़ जेल में बंद थीं। दूसरी तरफ ईडी ने चनप्रीत सिंह को हाल ही में गिरफ्तार किया था। बताया जाता है कि चनप्रीत सिंह ही वो शख्स हैं जिन्होंने गोवा विधानसभा चुनाव के वक्त आम आदमी पार्टी के फंड को मैनेज किया था।

पूर्वांचल की चार विभूतियों को मिला पद्मश्री

नई दिल्ली (आभा)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में दो विभूतियों को पद्मश्री देकर सम्मानित किया। बनारस घराने के शास्त्रीय गायक सुरेंद्र मोहन मिश्र को मरणोपरांत पद्मश्री दिया गया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में दिवंगत सुरेंद्र मोहन मिश्र के बेटे रामेंद्र मिश्र ने सम्मान प्राप्त किया। सुरेंद्र को यह सम्मान शास्त्रीय संगीत में योगदान के लिए मिला है। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत की लंबे समय तक सेवा की। वह गायन और वादन दोनों से जुड़े थे।

बनारस के गोदावरी सिंह को भी पद्म श्री दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार लकड़ी के खिलौनों के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए मिला है। उन्हें खिलौना किंग भी कहा जाता है। गोदावरी सिंह का परिवार पांच पीढ़ियों से लकड़ी के खिलौने बनाने काम करता आ रहा है। 2005 के गणतंत्र दिवस समारोह में यूपी की झांकी में भी गोदावरी सिंह का योगदान था। तब झांकी को तीसरा पुरस्कार मिला था।

नारायण के मौत मामले में बसपा नेता दयाशंकर मिश्र ने किया परिजनों को मुआवजा देने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी बस्ती से लोकसभा के प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र ने रूधौली थाना क्षेत्र के निपनिया कला गांव में आपसी विवाद के दौरान 15 वर्षीय किशोर नारायण के मौत मामले में गहरा दु:ख व्यक्त करते हुये मृतक के परिजनों को 20 लाख रुपये मुआवजा देने की माँग किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बसपा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र ने कहा कि इस तरह की घटनाएँ अब प्रदेश में आम हो गई हैं यहाँ डबल इंजन की सरकार की कानून व्यवस्था पर कोई पकड़ नहीं है और ये सरकार अपराध रोकने में लगातार असफल है। उन्होने इस घटना की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषियों को दण्डित कराने की मांग किया है।

हेमंत सोरेन को फिर नहीं मिली राहत

नई दिल्ली (आभा)। कथित जमीन घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर ईडी की विशेष अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट से हेमंत सोरेन को आज भी राहत नहीं मिली। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से दोबारा समय मांगा। इससे पहले भी ईडी ने 16 अप्रैल को कोर्ट से समय की मांग की थी। अब इस मामले में अगली सुनवाई 1 मई को निर्धारित की गई है।

पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था। इस पर अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 23 अप्रैल निर्धारित की थी। मालूम हो कि ईडी ने बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन मामले में हेमंत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

बिना चुनाव लड़े निर्विरोध सांसद बन गये मुकेश दलाल

गांधीनगर (आभा)। चुनाव आयोग ने सोमवार (22 अप्रैल) को गुजरात के सूरत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया। इस तरह मुकेश दलाल मौजूदा लोकसभा चुनाव में जीतने वाले पहले सांसद बन गए हैं। वह भाजपा के भी पहले सांसद और अब तक इस तरह विर्विरोध निर्वाचित होने वाले 35वें शख्स बन गए हैं। ऐसा तब हुआ जब सूरत संसदीय सीट पर सोमवार को आठ उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और उससे एक दिन पहले कांग्रेस के दो उम्मीदवारों का नामांकन रद्द कर दिया गया। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल थी।

8 मई, 1961 को सूरत में जन्मे मुकेश दलाल के पास बैचलर ऑफ कॉमर्स, एलएलबी और एमबीए की डिग्री है। उन्होंने पहले भारतीय जनता पार्टी में सचिव के रूप में काम किया है। फोन पर बातचीत में दलाल ने कहा, "सूरत में पहला कमल खिला है और मैं इसे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में अर्पित करता हूं। मुझे विश्वास है कि हम 400 सीटों का लक्ष्य पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह तकनीकी रूप से कांग्रेस के कारण जीत हुई है।

दलाल ने 1981 में भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके बाद उन्होंने सूरत जिला क्रिकेट एसोसिएशन समिति की सदस्यता ली थी। वह 2005 से 2020 तक सूरत नगर निगम के अदजान–पाल–पालनपोर क्षेत्र से पार्षद चुने गए थे। इस दौरान उन्होंने निगम के स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। इसके अलावा दलाल ने तीन वर्षों तक सूरत शहर के भाजपा सचिव के रूप में पार्टी के नेतृत्व में योगदान दिया।

उन्होंने सूरत पीपुल्स कोऑपरेटिव बैंक के निदेशक फिर अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। इस दौरान उन्होंने वित्त और प्रशासन के क्षेत्र में अपने लंबे अनुभव का भी परिचय दिया। दलाल पहली बार लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाए गए थे।

पहले चरण के कम मतदान ने उड़ायी भाजपा की नींद: अब एम फैक्टर पर जोर

नई दिल्ली (आभा)। 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान पिछले चुनाव के मुकाबले कम दर्ज किया गया। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनाव प्रचार और तेज कर दिया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने भाषणों में विपक्ष पर और ज्यादा आक्रामक दिखाई दे रहे हैं। पीएम मोदी अब चुनावी रैलियों में 'एम फैक्टर' पर जोर देते दिखाई देते हैं। 'एम फैक्टर' का मतलब मंगलसूत्र, मुस्लिम और मैनिफेस्टो। राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री ने इन तीनों शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टों में ही कहा है कि आपकी संपत्ति को लेकर वे ज्यादा बच्चे वालों को दे देंगे। उन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुस्लिमों का है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस आपके खिलाफ साजिश कर रही है। कांग्रेस की नजर आपके मंगलसूत्र तक पर है। अलीगढ़ में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस आपकी संपत्ति को लेकर सबमें बांट देना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के शासन में एक समुदाय को अपने धर्म का पालन करने में भी मुसीबत पैदा हो गई थी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में यह हाल है कि लोगों को हनुमान चालीसा बजाने पर भी प्रताड़ित किया जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस के शासन में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो गया। पीएम मोदी ने कहा, हमने देश के सामने सच रख दिया है। कांग्रेस आपकी संपत्ति पर कब्जा करने का विचार कर रही है। इसके बाद वह कुछ चुने हुए लोगों में इसे बांट देगी। यह बात कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टो में लिखी है। बता दें कि प्रधानमंत्री ने जब मुस्लमों का नाम लिया तो विपक्षी दलों ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से भी की और कहा कि पीएम मोदी हिंदू–मुस्लिम करके ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से पीएम मोदी पर ऐक्शन लेने की मांग की है।

एक समय था जब राजनीतिक दल एम–वाई फैक्टर पर विश्वास करते थे। 90 के दश्क में आरजेडी इसी फैक्टर की बदौलत बिहार की सत्ता पर काबिज थी। हालांकि 2014 में मोदी की सरकार आने के बाद एम–वाई फैक्टर गायब हो गया। विपक्षा का कहना है कि जिस तरह से पीएम मोदी मुस्लिमों के लिए घुसपैठिया और जिनके ज्यादा बच्चे हैं जैसी बातों का प्रयोग कर रहे हैं इससे समाज में गैप बढ़ जाएगा। पीएम मोदी जब मंगलसूत्र की बात करते हैं तो वे हिंदू महिलाओं को संबोधित करते हैं।

एएनआई को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने विविधता की बात की थी। इसके अलावा उन्होंने पसमांदा मुसलमानों के हितों की भी बात की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी के भी साथ कोई भेदभाव नहीं होता है। वहीं जब वह रैली में पहुंचे तो उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगा दिया कि वह विशेष वर्ग को फायदा देना चाहती है। बात करें पहले चरण के चुनाव की तो 102 सीटों में हुआ मतदान पिछले लोकसभा चुनाव की अपेक्षा कम था। इसको लेकर तरह–तरह की बातें कही गईं। विपक्ष यह जानकर खुश है कि भाजपा से निराश होकर लोग कम वोट कर रहे हैं। वहीं भाजपा भी इसकी वजहें बता रही है। जानकारों का कहना है कि ज्यादा गर्मी भी कम वोटिंग की वजह हो सकती है।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में ग्रीष्मकालीन शिक्षा की विशेष तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राजन इंटरनेशनल एकेडमी में नये सत्र का शिक्षण आरम्भ हो गया है और प्रवेश प्रक्रिया को जारी रखने के साथ ही ग्रीष्मकालीन शिक्षा को लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं जिससे छात्रों का समग्र विकास हो।

प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने बताया कि छात्रों को बेहतर शिक्षा और संसाधन के साथ अनुकूल वातावरण देने की दिशा में लगातार प्रयास जारी है। छात्रों को बेहतर लैब के साथ ही समर्पित शिक्षक निरन्तर उन्हें निखार रहे हैं। बताया कि बेहतर शिक्षा का ही परिणाम है कि अभिभावक अपने पाल्यों को राजन इंटरनेशनल एकेडमी में पढाना चाहते हैं। इसे देखते हुये कक्षायें लगातार बढायी जा रही है। प्ले वे से लेकर कक्षा 12 तक कार्मस, बायोलाजी, गणित की कक्षायें संचालित हो रही है।

प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने बताया कि छात्र–छात्राओं को बेहतर शिक्षा देना ही विद्यालय परिवार का एकमात्र लक्ष्य है। समय–समय पर अभिभावकों से राय ली जाती है और उनके महत्वपूर्ण सुझावों को अमल में लाया जाता है जिससे कोई कमी न रहे। कहा कि विद्यालय में प्रवेश नि:शुल्क हैं और कापी, किताब में 50 प्रतिशत तक की छूट दिया जा रहा है । लगभग दो हजार छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

बताया कि सरकार की गाइडलाइंस का पूरी तरीके से पालन किया जा रहा है सरकार का जो भी दिशा निर्देश होता है उसका प्राथमिकता से पालन कराया जाता है। गीत, संगीत, राजन क्रिकेट एकेडमी के द्वारा छात्रों का बहु आयामी विकास कराना हमारी प्राथमिकता है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 24 अप्रैल 2024 बुधवार

सम्पादकीय

धन बल का लोकतंत्र

लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों की सक्रियता से बरामद करीब पौने पांच हजार करोड़ रुपये इस बात की ओर संकेत है कि जनतंत्र के सामने धनबल की चुनौती कितनी बड़ी हो चुकी है। विडंबना देखिये कि स्वतंत्र भारत के आम चुनावों के क्रम में यह अब तक की सबसे बड़ी नकदी की बरामदगी है। चुनाव आयोग का दावा है कि हर रोज सौ करोड़ रुपये की बरामदगी होती रही है। निश्चय ही ये हालात भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। आज जनप्रतिनिधि संस्थाओं में करोड़पति माननीयों की लगातार बढ़ती संख्या बताती है कि धनतंत्र का दायरा लोकतंत्र में लगातार किस हद तक बढ़ता जा रहा है। इस संकट का बढ़ना बताता है कि हमारे राजनीतिक दलों की तरफ से इस दिशा में कोई ईमानदार पहल नहीं हुई है। निःसंदेह, उस दिन चुनावों में धनबल की भूमिका गौण हो जाएगी, जिस दिन राजनीतिक दल निहित स्वार्थों को छोड़कर इस दिशा में ईमानदार कोशिश करेंगे। 21वीं सदी में भी यदि भारतीय लोकतंत्र में आम चुनावों के दौरान धनबल, बाहुबल, अफवाह तंत्र की दखल तथा आचार–संहिता के उल्लंघन का सिलसिला जारी है तो इसका मतलब है कि हम अभी तक परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक तैयार नहीं कर पाए। सवाल यहां धनबल का ही नहीं है, छापों के दौरान बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी भी एक बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। चुनाव आयोग की तरफ से बरामदगी के जारी आंकड़े बताते हैं कि इसमें 45 फीसदी नशीले पदार्थों की बरामदगी है। ऐसे में इस साल मतदान की प्रक्रिया से जुड़ रहे 1.8 करोड़ नये मतदाताओं को हमें लोकतंत्र की मौजूदा विसंगतियों से दूर रखना है। यदि हम ऐसा कर पाने में सफल होते हैं, तो तभी हम स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद रख पाएंगे। ऐसे में हमारी प्राथमिकता हो कि हम नोटों की गड्डी की बजाय वोट की पवित्रता को अपनी प्राथमिकता बनाएं। यदि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पारदर्शी हो तो देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का मार्ग प्रशस्त होता है। सही मायनों में निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की आधारशिला है।

बहरहाल, चुनाव आयोग की हालिया सख्ती और विसंगतियों पर तुरंत कार्रवाई व गाहे–बगाहे शीर्ष अदालत द्वारा चुनाव सुधारों के लिये रचनात्मक पहल ने लोकतंत्र के बेहतर भविष्य के प्रति उम्मीद जगाई है। निरूसंदेह चुनाव प्रक्रिया कदाचार से मुक्त होनी ही चाहिए। यह आयोग के साथ ही देश के जागरूक मतदाताओं की जिम्मेदारी भी है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि किसी भी चुनाव में प्रत्याशियों के लिए चुनावी प्रतियोगिता का मंच समतल ही हो। और साथ ही किसी तरह के भेदभाव से मुक्त हो। निरूसंदेह, हमारी मौजूदा कानून व्यवस्था में राजनेताओं के भ्रष्टाचार व आर्थिक अनियमितताओं पर रोक लगाने में जो खामियां हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। दरअसल, चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए चुनाव आयोग का सरकार व दल विशेष के प्रभाव से मुक्त होना भी बेहद जरूरी है ताकि वह किसी भी राजनीतिक दल के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई कर सके। इसमें दो राय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से निपटने के लिए लोकतांत्रिक संस्थानों की स्वतंत्रता, स्वायत्तता, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नागरिकों के जुड़ाव को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, अप्रिय स्थिति से बचने के लिए जहां नियमों व कानूनों को प्रभावी व व्यापक बनाने की जरूरत है, वहीं आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये हम चुनाव प्रक्रिया की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा पक्षपात के आक्षेपों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वहीं चुनावी प्रक्रिया में गलत तरीकों से पहुंचने वाले पैसे पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक व्यय पर डिजिटल उपकरणों के जरिये सख्त निगाह रखी जाए। हमें अपनी चुनावी व्यवस्था में नियामक ढांचे को मजबूत करके स्वतंत्र व पारदर्शी लोकतंत्र की राह मजबूत करनी चाहिए।

झूठ की परतों से निकला सच

—योगेन्द्र यादव—

"खबर यह नहीं है कि मोदी जी ने झूठ बोला। असली खबर यह है कि झूठ की परतों के नीचे से सच निकल आया और मोदी जी को सार्वजनिक मंच से सच को मानना पड़ा।" मैंने अपने मित्र से कहा। वह अभी–अभी यू–ट्यूब पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बांसवाड़ा में दिया चुनावी भाषण सुन कर आ रहे थे। उद्विग्न थे, उत्तेजित थे। छूटते ही मुझसे बोले, "आपने सुना प्रधानमंत्री ने क्या बोला? इतनी बड़ी कुर्सी पर बैठा आदमी इतनी घटिया बात कैसे बोल सकता है? एक प्रधानमंत्री अपने से पिछले प्रधानमंत्री के बयान पर इतना सफेद झूठ कैसे बोल सकता है? अपने देश के ही लोगों के खिलाफ इस तरह नफरत कैसे फैला सकता है? आप लोगों को इसके खिलाफ कुछ करना चाहिए। मुसलमानों के खिलाफ द्वेष और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ झूठ का खंडन करना चाहिए।" उनकी बात में पीड़ा के साथ मासूमियत भी टपक रही थी।

मेरा जवाब सुनकर वे संतुष्ट नहीं हुए। बोले, "कमाल है, प्रधानमंत्री का झूठ बोलना खबर क्यों नहीं है? और वह असली खबर कौन–सी है जो बाहर निकल आई? आप पहेलियां मत बुझाइए, सीधी–सीधी बात मुझे बताइए।" मैंने कहा, "भाई, न्यूज तो उसे कहा जाता है न जिसमें कुछ न्यू हो? खबर उस बात की बनती है जिसमें कुछ नयापन हो। अब आप ही बताइए, मोदी जी ने झूठ बोला, इसमें नई बात क्या है? हां, अगर हमारे मीडिया में हिम्मत होती तो वह ऐसी खबर बना सकता था जैसी अमरीका में न्यूयार्क टाइम्स राष्ट्रपति ट्रम्प के बारे में चलाया करता था–आज ट्रम्प ने इस चुनावी अभियान का 26वां झूठ बोला।"

एक सज्जन साथ खड़े हमारी बात सुन रहे थे। उन्होंने झिझकते हुए दखल दिया, "मैं आप दोनों की बात सुन रहा था। आप दोनों कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा में एक झूठ बोला है। लेकिन मैंने अभी व्हाट्सएप पर एक क्लिप देखी। मैंने अपने कानों से सुना कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अपने मुंह से मुसलमानों का नाम ले रहे थे और कह रहे थे कि इस देश के संसाधनों पर उनका पहला अधिकार होना चाहिए। यह भाषण बहुत पुराना था और इसका जिक्र करना जरूरी नहीं था, लेकिन आप इसे झूठ क्यों बताते हैं?"मेरे दोस्त हमारी बातचीत में इस खलल से खुश नहीं थे, लेकिन मुझे जरूरी लगा कि इस सवाल का जवाब दिया जाए। "इस प्रधानमंत्री ने एक नहीं बल्कि एक ही सांस में तीन झूठ बोले। पहला झूठ यह कि डॉक्टर मनमोहन सिंह ने कहा था कि मुसलमानों का देश के संसाधनों पर पहला अधिकार होना चाहिए। आप जिस 10 सैकेंड की क्लिप को देखकर आए हैं वह भाजपा के मीडिया सैल वालों ने उनके भाषण के एक पैरा के अंतिम दो वाक्य काटकर बनाई है।

यह भाषण तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने 2006 में दिया था जिसमें उन्होंने देश के विकास में हाशियाग्रस्त समूहों को उचित अधिकार मिलने की बात दोहराई थी। जिस पैरा से वह क्लिप काटी गई है उसमें वे सभी वंचित वर्गों–दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों, खासतौर पर मुसलमानों–का नाम लेते हैं और कहते हैं कि देश के संसाधनों पर इन सब वर्गों का पहला हक होना चाहिए। यह कुछ वैसी ही बात हुई जैसी कि महात्मा गांधी ने अपने ताबीज मंत्र में कही थी। बस संयोग यह था कि उन्होंने पहले इन सब वर्गों को गिनाने के बाद अंतिम पंक्ति में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर मुसलमानों का नाम लिया था। बस दो वाक्यों को जोड़ कर भाजपा ने यह दुष्प्रचार शुरू किया कि वे केवल मुसलमानों के लिए बोल रहे थे।"

उनके चेहरे पर हैरानी देखकर मैंने और स्पष्ट किया, "ये कुछ ऐसी ही बात है कि आप अपनी वसीयत में अपनी मां, पत्नी, बच्चों और भतीजे का जिक्र करने के बाद अपनी विधवा भाभी का नाम भी लिखें और अपनी सम्पत्ति में इन सब का हिस्सा दर्ज करें। और बाद में कोई दिलजला मोहल्ले में आंख मारकर पूछे कि इस आदमी ने अपनी सारी सम्पत्ति अपनी भाभी के नाम क्यों की थी। आप बताइए उसे आप क्या कहेंगे?" अब उनकी समझ में बात आने लगी थी। बोले, "अगर ऐसा है तो यह तो सिर्फ झूठ नहीं शरारत है, दरअसल बदमाशी है। पर अगर ऐसा था तो प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस बात को तभी स्पष्ट क्यों नहीं किया?" मैंने उन्हें याद दिलाया कि यह भाषण जब 2006 में दिया गया था तभी भाजपा ने उसे तोड़–मरोड़ कर पेश किया था और उसी वक्त प्रधानमंत्री कार्यालय ने बाकायदा बयान देकर इसका खंडन किया था और प्रधानमंत्री के भाषण का आशय दोबारा समझाया था, लेकिन मोदी जी को तो सच से कोई मतलब नहीं है।

"और बाकी दो झूठ?" उन्होंने पूछा। मैंने वे भी गिनवा दिए। "दूसरा झूठ यह है कि कांग्रेस मैनीफैस्टो में देश की सम्पत्ति को बांटकर उसे मुसलमानों को देने जैसी कोई बात है। सच यह है कि कांग्रेस के मैनीफैस्टो में मुसलमानों का जिक्र भी नहीं है। इस मैनीफैस्टो में अल्पसंख्यकों के बारे में वही सब बातें कही गई हैं जो पिछले कुछ चुनावों में भाजपा स्वयं कह चुकी है। और न ही इस मैनीफैस्टो में देश की सम्पत्ति के नए सिरे से बंटवारे जैसी कोई बात कही गई है। यह सब सफेद झूठ है। और तीसरा झूठ यह है कि भारत के मुसलमान घुसपैठिए हैं। इस देश की लगभग 20 करोड़ मुस्लिम आबादी में मुट्ठी भर परिवारों को छोड़ कर बाकी सब की सात पीढ़ियों के ही नहीं बल्कि आदि अनंत से ही जिनकी जड़ें इसी देश की मिट्टी में हैं, उन्हें ही घुसपैठिया बताना सिर्फ महाझूठ नहीं है, बल्कि इस देश के इतिहास के साथ गद्दारी है।"

अब तक हमारे इस वार्तालाप को सुनकर मेरे मित्र कुछ थकने लगे थे। बोले, "उनको तो जवाब दे दिया। अब अपनी पहेली भी सुलझा दो न कि फिर असली खबर क्या है?" मैंने कहा, "आप इतना सोशल मीडिया देखते हो, आपने चुनाव के पहले दौर की असली खबर नहीं देखी? असली खबर यह है कि पहले दौर में जिन 102 सीटों पर चुनाव हुआ है वहां से भाजपा के लिए खबर अच्छी नहीं है। पिछले चुनाव में इन सीटों पर 70 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार घटकर 66 प्रतिशत रह गया है। यानी पिछली बार के मुकाबले लगभग 65 लाख वोटर घर पर बैठे रहे। मतदान में गिरावट उन सीटों पर ज्यादा हुई है जहां भाजपा की हवा थी–उन सीटों पर 5 प्रतिशत गिरावट हुई है जबकि बाकी पर सिर्फ अढ़ाई प्रतिशत। हवा का रुख पलटने से भाजपा की हवा निकली हुई है।

नागपुर और दिल्ली में एमरजैंसी बैठकें हुई हैं। इसलिए पिचके गुब्बारे में फिर से हवा भरने की जिम्मेदारी मोदी जी ने ली है। ऑक्सीजन है नहीं इसलिए जहरीली हवा भरी जा रही है। यह भाषण इसीलिए दिया जा रहा है कि जवान–किसान की बजाय मामला फिर से हिन्दू–मुसलमान पर उतर जाए। उड़ती–उड़ती खबर तो यह भी है कि आने वाले दिनों में सिर्फ जहरीले भाषण ही नहीं होंगे, मामला उससे भी आगे बढ़ सकता है। आपने मोदी जी का भाषण सुना तो यह नोटिस नहीं किया कि उन्होंने इस भाषण के अंत में एक कातर–सी अपील की–चाहे जिसे भी वोट दो, मगर वोट जरूर दो। मतलब मोदी जी अपने समर्थकों से कह रहे हैं कि पहले चरण में झटका लग चुका है, अब किसी तरह उसकी भरपाई कर दो। असली खबर यह है कि मोदी जी ने चुनावी मंच से एक सच कबूल कर लिया।"

आरोपों के साये में उलझा चुनाव प्रचार

—राजेश माहेश्वरी—

आम चुनाव में पहले चरण का मतदान हो चुका है। चुनावी मंचों से मुद्दे गायब हैं। असल में इस चुनाव में राजनीतिक दलों ने कोई मुद्दा तय ही नहीं किया। अलग–अलग क्षेत्रों में राज्यों के साथ ही लोकसभा चुनाव तक में अलग–अलग मुद्दे दिख रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में मुद्दों का यह बिखराव क्या असर डालेगा। अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग मुद्दे दिखाई दे रहे हैं। असल में इस बार का आम चुनाव वादों और दावों की जगह गारंटी और भरोसे का है। हालांकि पहले चरण का मतदान बेहद सुस्त रहा है। अभी चुनाव के छह चरण बाकी है, इसके बावजूद केंद्रीय मुद्दों और प्रभावी नारों के अभाव में चुनाव प्रचार में उफान नहीं दिख रहा। शांत मतदाता न तो गारंटी की ओर भरोसे से देख रहे हैं और न ही भरोसे पर गारंटी देने का संकेत दे रहे हैं। न तो किसी मुद्दा विशेष पर देश में बहस छिड़ी है और न ही कोई ऐसा नारा है, जो लोगों की जुबान पर चढ़ा हो।

2019 का आम चुनाव इस चुनाव से बिल्कुल अलग था। चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व ही सियासी मैदान भ्रष्टाचार बनाम राष्ट्रवाद का रूप ले चुका था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी राफेल सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर चौकीदार चोर है, के नारे लगवा रहे थे, जबकि भाजपा पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ हुई एयर स्ट्राइक को मोदी है तो मुमकिन है नारा लगा रही थी। राफेल मामले में पीएम पर व्यक्तिगत हमले को भाजपा गरीब पर हमले से जोड़ रही थी। इन दोनों ही मुद्दों पर तब राष्ट्रव्यापी चर्चा शुरू हो चुकी थी।

असल में इस चुनाव में यह नहीं कहा जा सकता है कि हर जगह एक ही मुद्दा चल रहा है। कहीं जाति की बात हो रही है तो कहीं रोजगार की बात हो रही है। सनातन की बात भी कई मतदाता कर रहे हैं। दक्षिण भारत के मुद्दे कुछ अलग हैं और वहां के मुद्दे अलग ढंग से उठाए गए हैं। इसी तरह नॉर्थ ईस्ट के मुद्दे अलग हैं। महिलाओं की जहां तक बात है तो उन्हें यह चाहिए कि उनके लिए क्या–क्या किया गया यह भी मुद्दा है। मुद्दे बनाना विपक्ष का काम होता है। सरकार ये कहती है कि हमने बहुत अच्छा काम किया, हमने यह बना दिया इतनी सड़कें बना दीं, इतना रोजगार दे दिया हमें वोट दीजिए। अगर यह भाषण बहुत करेंगे तो पिछले एक साल में मुद्दा बनाने की जगह विपक्ष गठबंधन बना रहा है नहीं बना रहा इसी पर उलझा रहा।

सरकार की बात करेंगे तो वह कह रही है कि हमने राम मंदिर बनाने की बात कही थी हमने बना दिया। विपक्ष ने जितने मुद्दे उठाए वो सभी चूक का मुरब्बा निकले। हर चुनाव में विपक्ष ईवीएम का मुद्दा उठाता है। अगर यह इतना बड़ा मुद्दा होता तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर देता। देश के राजनीतिक दल विजन से ज्यादा टेलीविजन पर निर्भर है। टेलीविजन प्रभावित जो राजनीति हो गई है उसकी वजह से विजन कहीं मिसिंग है। जहां तक घोषणा पत्र की बात है तो भाजपा का घोषणा पत्र अच्छा है और कांग्रेस का भी घोषणा पत्र अच्छा है, लेकिन देश में घोषणा पत्र पर कभी चुनाव नहीं हुए। यह बस औपचारिकता भर रह गया है।

घर घर गारंटी अभियान की शुरुआत कर चुकी कांग्रेस पहली नौकरी पक्की, भर्ती भरोसा, पेपर लीक मुक्ति, वर्कर सुरक्षा और युवा रोशनी गारंटी के रूप में अलग–अलग वर्गों को साधने की कोशिश की है। इसके अलावा पार्टी ने महिला, किसान, श्रमिक और हिस्सेदारी न्याय के तहत अलग–अलग वर्गों के लिए कई वादे किए हैं। हालांकि पार्टी का घोषणापत्र अब तक जारी नहीं हुआ है।

एनडीए के लिए अबकी बार चार सौ पार, तो अपने लिए 370 सीटें जीतने का दावा कर रही भाजपा ने मतदाताओं को साधने के लिए ब्रांड मोदी को हथियार बनाया है। पार्टी युवाओं के विकास, महिलाओं के सशक्तीकरण, किसानों के कल्याण और हाशिये पर पड़े कमजोर लोगों के सशक्तीकरण के लिए मोदी गारंटी दे रही है। जबकि विकसित भारत के निर्माण और देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की गारंटी दे रही है।

किसी एक मुद्दे को केंद्र में लाने की सत्तारूढ़ और विपक्षी गठबंधन की तमाम कोशिशें सिरे नहीं चढ़ी हैं। विपक्षी गठबंधन के नेता लालू प्रसाद की पीएम मोदी पर व्यक्तिगत टिप्पणी के खिलाफ भाजपा ने मोदी का परिवार अभियान चलाया। भाजपा इंदिरा सरकार के समय तमिलनाडु से सटे कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका को दिए जाने के मुद्दे पर आक्रामक है। वहीं, विपक्षी गठबंधन कभी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, कभी चुनावी बॉन्ड में भ्रष्टाचार, तो कभी केंद्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है।

चुनाव प्रचार के उफान पर न आने का सबसे बड़ा कारण मुद्दों को लेकर विपक्ष में निरंतरता प्रदर्शित करने का अभाव है। खासतौर से विपक्षी गठबंधन बनने के बाद भी विपक्ष मैदान में खुलकर उतरने के बदले सीट बंटवारे की गुत्थी सुलझाने में ही उलझा है। भले ही यह गठबंधन दो बार एक मंच पर आने में सफल रहा है, मगर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मोदी, शाह, नड्डा की तुलना में बहुत कम जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि चुनाव में आम जनता से संबंधित मुद्दों का सर्वाधिक महत्व होना चाहिए। हालांकि राजनीतिक नूरा–कुश्ती में ऐसा हो नहीं पाता है।

लोकसभा चुनाव का पूरा माहौल राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप के इर्द–गिर्द सिमटकर रह जाता है। इस बार भी कमोबेश वैसी ही तस्वीर दिख रही है। पूरे देश के नागरिकों के लिए पांच साल में एक बार यह मौका आता है। इस मौके पर वे अपनी बात और अपने मुद्दे पुरजोर तरीके से अपने होने वाले जनप्रतिनिधियों के सामने रख सकते हैं। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं से अतीत में किए गए वादों पर सवाल पूछ सकते हैं। रोजमर्रा की समस्याओं को उठा सकते हैं। देश के आम लोग राजनीतिक जिम्मेदारी और जवाबदेही को लेकर अपने नेताओं को कटघरे में खड़े कर सकते हैं। बेरोजगारी और महंगाई जनता के सामने सबसे बड़ी समस्या है जिसका निदान होना चाहिए। साथ ही पर्यावरण भी चुनावी मुद्दा बनना चाहिए क्योंकि इसके बगैर हमारा जीवन मुश्किल हो सकता है।

आज चुनाव आकर्षक वादों और आधारहीन दावों के बल पर लड़ा–लड़ाया जा रहा है। जनता से जुड़े मुद्दों को नजरंदाज कर विकास के दावे किए जा रहे हैं। मतदाता को राजनीतिक दलों से उनके दावों और वादों के आधार के बारे में पूछना चाहिए। एक तरफ तो पांचवें पायदान से तीसरे पायदान पर पहुंचने के दावे और वादे किए जा रहे हैं और दूसरी ओर देश की अस्सी करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देने की आवश्यकता पड़ रही है, यह कैसा विकास है? वास्तविकता तो यह है कि चुनावी मुद्दों के नाम पर अनावश्यक मुद्दे उछाल कर जनता का ध्यान विकेंद्रित किया जा रहा है। जहां तक मुद्दे की बात है तो यह पूरा चुनाव विकेंद्रित हो गया है। जैसे जम्मू–कश्मीर के मुद्दे जो है वो वहां के लोगों के मुद्दे हैं। यहां तक कि चुनाव क्षेत्र तक के हिसाब से मुद्दे विकेंद्रित हो गए हैं। 2014 और 2019 के चुनाव हमने राष्ट्रीय मुद्दे पर देखे। इस बार का चुनाव स्थानीय मुद्दे पर हो रहा है। विपक्ष इसकी कमियां गिनाएगा तो वह किसे इसके लिए जिम्मेदार बताएगा। राजनीतिक दलों को देश के सामने आने वाले समय का रोडमैप रखना चाहिए, और व्यक्तिगत हमलों और देश को बांटने वाले मुद्दों से परहेज करना चाहिए।

कूड़ा निस्तारण की चुनौती

—पंकज चतुर्वेदी—

कुछ माह पहले जो समाज हवा की गुणवत्ता खराब होने के चलते हरियाणा–पंजाब के किसानों को पराली जलाने के लिए दोष दे रहा था, वह अब वैसा ही काम करके खुद का नुकसान कर रहा है। दिल्ली का विस्तार कहलाने वाला गाजियाबाद जिला भले ही आबादी के लिहाज से हर साल विस्तार पा रहा है लेकिन जानकर आश्चर्य होगा कि अभी तक यहां नगर निगम के पास कूड़ा निस्तारण की कोई जगह नहीं है। चूंकि महानगर के बड़े हिस्से में अभी भी खुलापन, पेड़, हरियाली और बगीचे मौजूद हैं तो जगह–जगह सूखे पत्तों का ढेर लगा रहता है। हर कॉलोनी में इनके निस्तारण के लिए आग लगाना आम बात है। गाजियाबाद केवल एक उदाहरण है, दिल्ली से जितनी दूरी बढ़ती जाएगी सूखे पत्तों को फूंकने की लापरवाही भी बढ़ेगी। कुछ लोगों के लिए ये झड़े पत्ते महज कचरा हैं और वे इसे समेट कर जलाने को परंपरा, मजबूरी, मच्छर मारने का तरीका जैसे नाम देते हैं। असल में यह न केवल गैरकानूनी है, बल्कि प्रकृति पर अत्याचार भी है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सन् 2016 में सख्त लहजे में कहा था कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है व प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करे कि आगे से ऐसा न हो। इस बारे में समय–समय पर कई अदालतें व महकमें आदेश देते रहे हैं, लेकिन कानून के पालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं के पास इतने लोग व संसाधन नहीं हैं कि हरित न्यायाधिकरण के निर्देश का शत–प्रतिशत पालन करवा सके। कुछ साल पहले दिल्ली में एक सांसद की सरकारी कोठी में पत्तियां जलाने पर मुकदमा दायर हुआ था, उसके बाद दिल्ली में तो इस विषय में जागरूकता और सतर्कता है। लेकिन कई जगह तो नगर को साफ रखने का जिम्मा निभाने वाले स्थानीय निकाय खुद ही कूड़े के रूप में पेड़ से गिरी पत्तियों को जला देते हैं। प्रदूषण तो खतरनाक है ही, सूखी पत्तियां कई मायनों में बेशकीमती भी हैं। प्रकृति के विभिन्न तत्वों का संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सूखी पत्तियां जलाने से इंसान कई बीमारियों को न्योता देता है। गिरी हुई पत्तियों को जलाने के दौरान अल्पकालिक और दीर्घकालिक संपर्क से अस्थमा के दौरे, दिल के दौरे और कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा भी बढ़ सकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट दिसंबर, 1997 में ही आदेश पारित कर चुका था कि पत्तियों को जलाने से गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहा है, इसलिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाये। सन् 2012 में दिल्ली सरकार ने पत्ते जलाने पर एक लाख रुपये जुर्माने व पांच साल तक की कैद का प्रावधान किया था। लेकिन एक तो ऐसे मामलों की कोई शिकायत नहीं करता, दूसरे पुलिस भी ऐसे पचड़ों में फंसती नहीं। यह भी कि स्थानीय निकाय के लोग खुद ऐसी हरकतें करते हैं। ऐसे में जाने–अनजाने पूरा समाज वातावरण में जहर घोलने के कार्य में शामिल है।

दिल्ली एनसीआर की आबोहवा इतनी दूषित हो चुकी है कि पांच साल के बच्चे तो इसमें स्वस्थ जी नहीं सकते हैं। दस लाख से अधिक बच्चे हर साल सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। प्रदूषण कम करने के विभिन्न कदमों के तहत हरित न्यायाधिकरण ने पाया कि महानगर में बढ़ रहे पीएम यानी पार्टिकुलेट मैटर का 29.4 फीसदी कूड़े व उसके साथ पत्तियों को जलाने से उत्पन्न हो रहा है।

पेड़ की हरी पत्तियों में पाया जाने वाला क्लोरोफिल वातावरण में मौजूद जल–कणों को हाइड्रोजन व आक्सीजन में विभाजित कर देता है। हाइड्रोजन वातावरण में मौजूद जहरीली गैस कार्बन डाइआक्साइड के साथ मिलकर पत्तियों के लिए शर्करायुक्त भोजन उपजाती है। जबकि आक्सीजन तो प्राण वायु है ही। जब पत्तियों का क्लोरोफिल चूक जाता है तो उसका हरापन समाप्त हो जाता है व वे पीली या भूरी पड़ जाती हैं। हालांकि ये पत्तियां पेड़ के लिए भोजन बनाने के लायक नहीं रह जाती है लेकिन उसमें नाइट्रोजन, प्रोटीन, विटामिन, स्टार्च व शर्करा आदि का खजाना होता है। ऐसी पत्तियों को जब जलाया जाता है तो कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन व कई बार सल्फर से बने रसायन उत्सर्जित होते हैं। इसके कारण वायुमंडल की नमी और आक्सीजन तो नष्ट होती ही है, कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड, हाइड्रोजन सायनाइड, अमोनिया, सल्फर डाइआक्साइड जैसी दम घोंटने वाली गैस वातावरण को जहरीला बना देती हैं।

यूपी की सभी 80 सीटें जीत रही है भाजपा -ब्रजेश पाठक

संवाददाता—बहराइच। देश में जबसे मोदी की सरकार आई है। भ्रष्टाचारी जेल में है और भ्रष्टाचार पूरी तरह बंद हो गया है। वर्ष 2014 से पहले की सरकार योजनाएं तो बनाती थी लेकिन उसको धरातल पर लाने के लिए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खेल होता था। प्रदेश में हम सभी 80 सीटें जीत रहे हैं। यह बातें मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी के नामांकन में शहर पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कही। शहर के गेंदघर के मैदान के पास भाजपा प्रत्याशी आनंद गोंड के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की रायबरेली, अमेठी समेत सभी 80 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीत रहें हैं। जनता का समर्थन देखकर यह साबित हो गया है कि जिले में भी आनंद गोंड प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रहे है। विपक्ष के प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी कोई लड़ाई में नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में 2014 से मोदी सरकार और प्रदेश में 2017 में प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद देश व प्रदेश की दिशा व दशा बदल गई है। उन्होंने पूर्व की सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि सरकारें गरीबों के लिए योजनाएं तो बनाती थी लेकिन वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी लेकिन आज मोदी सरकार की जितनी भी योजनाएं है सभी को समान रूप से मिल रही है। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री संजय निषाद के साथ मारपीट करने वालों के बारे में कहा कि जिसने भी यह कृत्य किया है। उन सभी को चिन्हित किया जा रहा है। सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने जिले की जनता से अपील करते हुए कहा कि आज देश व प्रदेश की तकदीर बदलने का सवाल है। इसलिए सभी एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताकर विपक्ष के प्रत्याशियों की जमानत जब्त कराने का कार्य करें।

जनसभा के दौरान सांसद अक्षयवर लाल गोंड, महसी विधायक सुरेश्वर सिंह, एमएलसी डा. प्रज्ञा त्रिपाठी, पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, नानपारा अपनादल एस के विधायक रामनिवास वर्मा, बलहा विधायक सरोज सोनकर, पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा, अरूणवीर सिंह, एमएलसी पदमसेन चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामकरन टेकड़ीवाल, राहुल राय, राष्ट्रीय खिलाड़ी आलोक श्रीवास्तव, संदीप जायसवाल आदि मौजूद रहे।

सदर तहसील में गहराई पेयजल समस्या, वकीलों में आक्रोश

संवाददाता—बलरामपुर। सदर तहसील में पेयजल संकट से अधिवक्ता एवं वादकारी जूझ रहे हैं। तहसील परिसर में लगे वाटर कूलर छह माह से खराब पड़े हैं। परिसर में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप दूषित जल दे रहे हैं। तहसील में न्यायिक कार्य करने वाले लगभग 500 अधिवक्ता एवं वहां पर आने वाले सैकड़ो वादकारियों की चिलचिलाती धूप में प्यास नहीं बुझ पाती है। शुद्ध पेयजल न मिलने से अधिवक्ता बोतल पानी खरीदकर प्यास बुझा रहे हैं। समस्या समाधान के लिए करीब एक सप्ताह से अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत हैं। बावजूद इसके समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

अप्रैल माह की शुरुआत से ही जिले में भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह दस बजे के बाद से तेज धूप व लू चलनी शुरू हो जाती है। परिसर में हैंडपंप एवं वाटर कूलर खराब होने से लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ता है। अधिवक्ता पानी की बोतल मंगाकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। लेकिन तहसील में आने वाले वादकारियों एवं आम जनमानस को पानी संकट का सामना करना पड़ रहा है।

पेयजल समस्या को दूर करने के लिए वकीलों ने कई बार तहसीलदार व एसडीएम से अनुरोध किया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम गोपाल पाण्डेय व महामंत्री अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि परिसर में लगे वाटर कूलर एवं हैंडपंप के खराब होने से अधिवक्ताओं सहित वादकारियों को भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। तहसील प्रशासन से कई बार खराब पड़े वाटर कूलर व हैंडपंप को सही कराने की मांग की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। महामंत्री अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि पेयजल सहित अन्य समस्याओं को लेकर पिछले एक सप्ताह से अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत चल रहे हैं। लेकिन अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंग रहा। कहा कि यदि जल्द ही पेयजल सहित अन्य समस्याएं दूर नहीं की गई तो अधिवक्ता आंदोलन करने का बाध्य होंगे।

भगवान के छठोत्सव पर श्री लक्ष्मण किला में बही अनुराग की गंगा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मोत्सव के बाद अयोध्या के मंदिरों में उनके छठ उत्सव तक बधाई गान होते है और वैदिक सनातन परंपरा के अनुसार भगवान का छठ उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है यह उत्सव अयोध्या के कई मंदिरों में बड़े ही अनुराग के साथ मनाया जाता है भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है गायन विधा के विद्वान प्रभु को पद गाकर रिझाते हैं मां सरयू के तट पर विराजमान सिद्ध पीठ श्री लक्ष्मण किला में मंदिर के पीठाधीश्वर महंत मैथिली रमण शरण महाराज के संयोजन में मनाया गया सखियों द्वारा बधाई गण सुन के सब मंत्र मुग्ध हो गए सभी लोग मंत्र मुक्त हो गए बधाई गान की यह महफिल देर रात तक चलती रही और अयोध्या के संत महंत भी पहुंचकर अपने आपको आनंदित महसूस कर रहे थे और छठी महोत्सव का उल्लास चरम पर दिखा।देर रात तक मंदिर में गीत—संगीत की महफिल सजी। सदा

शुभ होवे जन्म की घड़ी, हे रानी जुग जुग जीवे तेरा ललना... बधाई गान के जरिये कलाकारों ने राजा दशरथ को रामजन्म की बधाई देते हुए उनके लिए शुभकामनाएं दीं। लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने सभी का स्वागत सत्कार किया।

श्रीरामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास के निर्देशन में श्रीरामवल्लभाकुंज में छठी उत्सव भव्यता का केंद्र रहा। यहां देर रात भगवान रामलला को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। शास्त्रीय संगीतज्ञों ने बधाई गान की प्रस्तुति दी। माता जानकी का मायका के रूप में प्रसिद्ध जानकी महल में ट्रस्टी आदित्य सुल्तानिया के संयोजन में भगवान का छठ उत्सव मनाया गया और यहां विराजमान भगवान को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। यहां भी बधाई गान का सिलसिला देर रात तक चला। ट्रस्टी आदित्य सुल्तानिया ने बताया कि परंपरा के अनुसार भगवान के जन्म के छठवें दिन छठी उत्सव रात में मनाया जाता है जिसमें ठाकुर जी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है और प्रसाद सभी भक्तों में वितरण किया जाता है।

आग से पांच बीघा अरहर की फसल जलकर राख

संवाददाता—श्रावस्ती। अज्ञात कारण से खेत में आग लग गई। जिसमें पांच बीघा अरहर जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंचे लेखपाल ने क्षति आंकलन कर रिपोर्ट तैयार किया। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के ग्राम पटपरगंज में अज्ञात कारण से लगी आग से पांच बीघा अरहर की फसल जल गई। बताया जाता है कि गांव निवासी करम मोहम्मद पुत्र मुशरीफ खान, रेहान, फैजान, आलमगीर पुत्रगण करम मोहम्मद के खेत में अरहर की फसल लगी थी। जिसे सभी लोगों ने काल लिया था और फसल खेत में ही पड़ी। फसल को खलिहान में इकट्ठा नहीं कर पाए। मंगलवार को अज्ञात कारण से कटी पड़ी अरहर की फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पांचों बीघे फसल को अपनी आगोश में ले लिया। फसल जलती देख आनन फानन में ग्राम खेत पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। लेकिन तबतक पूरी फसल जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची राजस्व टीम ने क्षति आंकलन कर रिपोर्ट तैयार किया।

महामंडलेश्वर नरहरि दास महाराज को संतों ने किया नमन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या— मंदिर कौशल किशोर भवन, शास्त्रीनगर के पूर्वाचार्य महंत महामंडलेश्वर नरहरि दास महाराज की चौथी पुण्यतिथि पर संतों महंतों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि महामंडलेश्वर श्री नरहरि दास महाराज बचपन से ही समाज कार्य और संतों की सेवा में रुचि रखते थे। संत श्री तुलसीदास रामलीला समिति के स्वागत अध्यक्ष का कार्य भी दशकों तक श्री महाराज जी ने संभाला और निरंतर संतों की सेवा करते रहते थे। प्रयागराज में श्री महाराज जी प्रतिवर्ष माघ मेले में कैंप लगाते थे और 12 वर्षों पर पड़ने वाले कुंभ में भी श्री महाराज जी बढ़—चढ़कर भाग लेते थे और निरंतर संत सेवा समाज सेवा गौ सेवा करते रहते थे। आश्रम के वर्तमान महंत प्रशांत दास शास्त्री ने पुण्यतिथि पर पधारे सभी संतों का स्वागत करते हुए बताया कि उनके गुरुदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। उन्होंने सदैव विरक्त परम्परा का निर्वहन किया। वह एक सामाजिक व्यक्ति थे, जिसके

कारण उनका समाज सेवा से जुड़ाव रहा। गौ, संत, विद्यार्थी, आगंतुक आदि सेवा की ओर विशेष ध्यान रखते थे। इस अवसर पर श्री राम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास , बावन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण, अधिकारी छविराम दास, महंत राजू दास, महंत शशिकांत दास, महंत मनीष दास महामंडलेश्वर आशुतोष दास अयोध्या सांसद लल्लू सिंह के पुत्र विकास सिंह सहित सैकड़ों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गरीबों को अनाज बांटने में सुधार, घटतौली नहीं

संवाददाता—गोण्डा। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा गारंटी योजना के तहत गरीबों को निशुल्क अनाज को बांटने में सुधार कर लिया गया है। जिले में कहीं से भी घटतौली आदि की शिकायतें नहीं मिली है। बीते मार्च माह में पूर्ति विभाग की ओर से अभियान चलाकर ई—पास मशीनों से आधार कार्ड के प्रमाणीकरण कराए गए थे। जिसकी रिपोर्ट भी अब सामने आ चुकी है। जिला पूर्ति अधिकारी कृष्ण गोपाल पांडेय ने बताया कि नए सिस्टम होने की वजह से शुरुआती दिनों में नेटवर्क व अन्य खामियों का सामना करना पड़ा, जिसे बाद में दूर कर लिया गया। इस दौरान कुछ ई—पास मशीनों को बदलना भी पड़ा।

सरकार की मंशा के अनुरूप लाभार्थियों को सही मात्रा में राशन दिलाने का लक्ष्य है। जिले में पात्र गृहस्थी व अन्त्योदय योजना के करीब छह लाख लाभार्थी हैं। इनमें करीब 65 हजार लाभार्थी अन्त्योदय योजना का लाभ पा रहे हैं। विभाग की ओर से पात्र गृहस्थी और अन्त्योदय कार्ड धारकों को एक किग्रा गेहूं, एक किग्रा चावल और एक किग्रा चीनी की माक चेकिंग कराई गई थी। अधिकारियों का कहना है कि इनमें चीनी पात्र गृहस्थी धारकों देय नहीं थी, सिर्फ होली के मौके पर अंत्योदय योजना के लाभार्थियों को मुहैया कराई गई थी।

बताया जा रहा है कि जिले में करीब तीन हजार कोटे की दुकानें है, सभी जगह जिले स्तर से नामित नोडल अधिकारियों की मौजूदगी में अनाजों को बांटा जा रहा है। अब अप्रैल माह में राशन का वितरण अंतिम चरण में चल रहा है।

इटियाथोक क्षेत्र में सातवीं के छात्र की हत्या में एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। इटियाथोक कोतवाली क्षेत्र के भुड़कुड़ा गांव के मजरा दलपतपुर खटकिन पुरवा में सातवीं के छात्र की गला काटकर हत्या बहन पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में हुई थी। मंगलवार को पुलिस ने घटना के नामजद आरोपी मुकेश यादव को गिरफ्तार करके घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि मामले के अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। क्षेत्र के भुड़कुड़ा गांव हनुमान प्रसाद यादव के सबसे छोटे बेटे मनीष यादव (15) की बीते शनिवार देररात घर से थोड़ी दूर पर बेरहमी से हत्याकर कर दी गई थी। रविवार सुबह इसकी जानकारी होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने मृतक के भाई धर्मेन्द्र यादव की तहरीर पर गांव के प्रवेश यादव, राजकुमार यादव, मुकेश यादव, संजय प्रताप यादव और एक अज्ञात के खिलाफ षड्यंत्र और हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। साथ ही गांव के दो संदिग्ध उठाकर पूछताछ के लिए कोतवाली ले आई। एसपी ने बताया कि किशोर मनीष यादव के हत्या के आरोपी को आरोपी मुकेश यादव को खटकिनपुरवा चौराहे से एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने धर दबोचा। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बांका, खून से लथपथ कपड़ा, मोबाइल सहित शौच में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक डिब्बे को बरामद किया।

आरोपी मुकेश यादव ने पुलिस को बताया कि मृतक मनीष यादव उसकी बहन को लेकर आए दिन अभद्र टिप्पणी किया करता था। पूरे परिवार के लोग मनीष यादव की हरकत से क्षुब्ध थे। घटना के दिन मनीष यादव को शौच के बहाने उसके घर से बाहर बुलाया और उसकी हत्या करके फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक विवेक त्रिवेदी ने बताया मृतक मनीष यादव के हत्यारोपी मुकेश यादव को गिरफ्तार करके कोर्ट में भेजा गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक रमाशंकर राय, प्रभारी एसओजी सर्वजीत गुप्ता, प्रभारी सर्विलांस सेल सुनील सिंह, उप निरीक्षक कौशल किशोर सिंह, सिपाही अमित कुमार गौड़ शामिल रहे।

उड़नदस्ता व वीडियो निगरानी टीमों के अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा निर्वाचन को सकुशल कराने के लिए उड़नदस्ता टीम, निगरानी व वीडियो निगरानी टीमें बनाई गई। इन टीमों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को शामिल किया गया। टीम में शामिल सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला मजिस्ट्रेट कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को सभी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। सभी टीमें 29 अप्रैल को जनपद में अधिसूचना लागू होने के समय से सक्रिय होकर अपना कार्य प्रारम्भ कर देंगी। उम्मीदवारों तथा उनके समर्थकों की ओर से मतदाताओं को प्रलोभित करने के उद्देश्य से नकद धनराशि का वितरण, शराब का वितरण, संदेहास्पद वस्तु व शस्त्रों इत्यादि की आवाजाही की रोकथाम करने व निर्वाचन की सुचिता व निष्पक्षता बनाए रखने के लिए उड़नदस्ता, निगरानी व वीडियो निगरानी टीमों का गठन किया गया है। इसलिए सभी टीमों में लगे अधिकारी अपने—अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिया कि उड़नदस्ता टीमें वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग करेंगे नकदी वितरण, शराब या अन्य वस्तु का वितरण करने, रिश्वत देने आदि के सम्बन्ध में जब्ती की कार्रवाई करेंगे। चेकिंग के समय सम्पूर्ण कार्यवाही की शुरू से अन्त तक वीडियो रिकार्डिंग जरूर की जाएगी और जब्ती की स्थिति में रसीद की एक प्रति सम्बन्धित व्यक्ति को व एक प्रति जिला स्तरीय समिति को उपलब्ध कराई जाएगी।

आत्महत्या को मजबूर करने के आरोपी साले की जमानत निरस्त

संवाददाता—बस्ती। अपर जिला जज सूर्य प्रकाश सिंह ने अपने आत्महत्या के लिए विवश करने वाले आरोपी साले की जमानत अर्जी पर्याप्त आधार के अभाव में निरस्त कर दिया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अनीता साहू के अनुसार थाना कोतवाली नगर अंतर्गत गरीबी पुरवा बूढ़ा देवर निवासी श्याम नाथ ने इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक वादी के लड़के डॉ. देवीदयाल की शादी मथुरा चौबे निवासी प्रिया यादव के साथ हुई थी। वह आवास विकास में अपनी क्लीनिक चलाता था। बेटे को उसकी पत्नी अपने भाई सरजू प्रसाद यादव उर्फ राजू व छोटी बहन के साथ मिलकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करती रहती थी। इससे मजबूर होकर उसके लड़के ने 26 जनवरी 2024 को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मंगलवार को अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलों व बहस को सुनने के बाद अपराध को गंभीर प्रवृत्ति का करार देते हुए आरोपित साले सरजू प्रसाद यादव उर्फ राजू की जमानत याचिका निरस्त कर दिया।

पूर्वाचार्य महंत बलराम शरण को संतो महंतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री राम नगरी में 7000 से ज्यादा मंदिर है और पूरे विश्व में यह एक ऐसा स्थान है जहां इतनी बड़ी संख्या में मंदिर है। धर्म नगरी अयोध्या भगवान राम की जन्म स्थली के रूप में जानी जाती है। अयोध्या के मंदिरों में से एक सिद्धपीठ रंगमहल मंदिर भी है। यह सैकड़ों वर्ष पुराना इतिहास अपने अंदर समेटे हुए हैं जहां सभी पर्व और उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाते हैं लेकिन प्रभु की विवाह और सावन झूला उत्सव की अलौकिक छवि देखते ही बनती है। यह पद्धति मंदिर के पूर्वाचार्यों की देन है। यह मंदिर श्री राम जन्मभूमि परिसर से सटा हुआ है और यहां युगल सरकार के साथ माता सीता की उपासना की जाती है। पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास के संयोजन में पूर्वाचार्य महंत बलराम शरण महाराज के 16 वीं पुण्यतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिसमें अयोध्या के संतों महंतों के साथ राजनेताओं ने भी श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर

महंत रामशरण दास जी महाराज ने बताया कि पूज्य गुरुदेव भगवान की 16 वीं पुण्यतिथि बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई इस अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया और संतों का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि गुरुदेव भगवान भजनानंदी संत थे और हमेशा सीताराम भगवान का भजन करते हुए संत सेवा गौ सेवा और विद्यार्थी सेवा उनकी दिनचर्या का एक हिस्सा था जिसे वह प्रतिदिन भजन के साथ निभाते रहते थे। श्री महाराज जी की पुण्यतिथि पर आए हुए संतो महंतों अतिथियों का स्वागत मुख्य पुजारी साकेत दास ने किया। चक्रवर्ती सम्राट दशरथ जी का राजमहल बड़ा स्थान के महंत विंदुगद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास,बधाई भवन के महंत राजीव लोचन शरण, महंत रामायणी रामशरण दास, हनुमानगढ़ के महंत बलराम दास महंत रामकुमार दास, महंत मनीष दास, महंत शशिकांत दास, हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी रमेश दास,पुजारी राजू दास, छोटू दास, सत्यम दास सहित सैकड़ों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खतम कीजिये अब नशा की कहानी, बचा लीजिए अपनों की जिंदगानी

संवाददाता—बहराइच। अखिल भारतीय साहित्य परिषद—बहराइच के तत्वावधान में भारतीय नव संवत्सर, रामनवमी, भगवान महावीर व संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयन्ती पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रेम जालान व संचालन रमेश चन्द्र तिवारी ने किया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि राधाकृष्ण पाठक थे। गुलाब चन्द्र जायसवाल ने कहा कि मुदित मानवता हुई जिनके सकल सुविचार से, धन्य धरती हुई। बैजनाथ सिंह ने गौ, गीता, गंगा का सम्मान बढ़ाना है, भारत को अब हिन्दू राष्ट्र बनाना है। जगदीश प्रसाद ने हाथ रख दे गर वो जख्मों पर दर्द का कुछ पता नहीं होता। जेपी मिश्र ने गर्त—गर्त में राग द्वेष त्रय ताप विलय हो, नवल ताल स्वर नवल रागिनी नवल गीत नव नव नव लय हो। रमेश चन्द्र तिवारी ने दिल कभी मोम था आज पत्थर हुआ, अब पिघलना जरूरी नहीं रह गया। राजकिशोर पांडेय ने खतम कीजिए अब नशा की कहानी, बचा लीजिए अपनों की जिंदगानी। राकेश रस्तोगी ने संस्कार को यदि अपना किया तो सारा विश्व हमारा होगा, राधाकृष्ण पाठक ने सुख समृद्ध उल्लास आपके जीवन में भर दे, आगंतुक नववर्ष हर्ष प्रद मंगलमय कर दे।

टीम ने वन माफिया के घर मारा छापा, भारी मात्रा में जंगली लकड़ी बरामद

संवाददाता—बलरामपुर। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वन विभाग व पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के तेंदुआ साईपुरवा निवासी वन माफिया कलाम साईं पुत्र बुद्धू के घर मंगलवार भोर छापेमारी की। कलाम के घर भारी मात्रा में शीशम चिरान की लकड़िया बरामद हुई हैं। यह लकड़ियां जंगल से काटे गए वृक्षों का चिरान कर तैयार की गई है। छापेमारी के दौरान कलाम भागने में सफल रहा। वाचर की तहरीर पर कलाम के विरुद्ध हर्रैया थाने में गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस अन्य लकड़ी काटने वालों की तलाश में जुटी है। डीएम ने वन माफिया की सूची तैयार कर शासन को भेजे जाने की बात कही है। सोहेलवा वन्यजीव क्षेत्र के बरहवा व बनकटवा रेंज से चोरी छिपे कीमती वृक्ष काटे जा रहे हैं। बोटे तैयार कर उन्हें साइकिल अथवा बाइक से जंगलवर्ती गांवों में पहुंचाया जाता है। गनेशपुर, रौतार, कांजी हाउस गुगौली, महमूदनगर, तेंदुआ साईंपुरवा सहित तीन दर्जन गांवों में छोटी लकड़ी कटर मशीन लगे होने की सूचना जिलाधिकारी अरविंद सिंह को लगातार मिल रही है। उन्होंने ठोस जानकारी एकत्रित करने के लिए लोकल इंटेलिजेंस टीम को सक्रिय किया। जानकारी मिली कि तेंदुआ साईंपुरवा निवासी कलाम साईं पुत्र बुद्धू लकड़ी काटने वाले गिरोह का सरगना है। वह जंगलवर्ती गांव के गरीब मजदूरों को पैसा देकर चोरी छिपे जंगली पेड़ कटवाता है। बाद में उन्हें छोटी कटर मशीन से मनचाहा आकार देकर महंगे दामों में बेच रहा है। डीएम ने तहसीलदार सदर को छापामार कार्रवाई करने का आदेश दिया। भोर लगभग चार बजे तहसीलदार, बरहवा के रेंजर राकेश पाठक, प्रभारी निरीक्षक गोविंद कुमार आदि ने तेंदुआ नगर साईंपुरवा निवासी कलाम के घर दबिश दी। अंदर भारी मात्रा में शीशम चिरान की लकड़ियां रखी पाई गई। कलाम मौके से भाग निकला। डीएफओ एम सेम्मारन ने बताया कि वाचर की ओर से हर्रैया थाना में कलाम के विरुद्ध केस दर्ज कराया गया है।

तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती।अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। एसपी के निर्देशानुसार मंगलवार को मल्हीपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जयहरि मिश्रा पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ईदगाह भगवानपुर के पास के पास से एक व्यक्ति के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व एक कारतूस बरामद किया। बरामद तमंचा व कारतूस को जब्त कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अखलाक खान उर्फ नेता पुत्र हबीब निवासी ग्राम बघनी थाना मल्हीपुर के रूप में हुई। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया।

धूमधाम से मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

संवाददाता—श्रावस्ती। बिशुनापुर पड़वलिया में श्री हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर कलाकारों की ओर से मनमोहक झांकियों की प्रस्तुति दी गई। जिसे देख लोग मंत्रमुग्ध हो गए। विकास क्षेत्र सिरसिया के ग्राम पंचायत बिशुनापुर पड़वलिया के पड़वलिया गांव में हर वर्ष की तरह इस साल भी बड़े ही धूम धाम से श्री हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में राहुल झमझम अंतरराष्ट्रीय ग्रुप लखनऊ की ओर से विभिन्न देवी देवताओं की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई। जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं पंडाल में भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। श्री हनुमान जन्मोत्सव सेवा समिति पड़वलिया के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है। समिति अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया कि गांव में यह आयोजन पांचवीं बार किया जा रहा है। लगातार पांच सालों से समिति जन्मोत्सव मना रही है। उन्होंने कहा कि ऐसर धार्मिक आयोजन हर सनातनी की जिम्मेदारी है। हमारा धर्म हमारे देवी देवताओं की आराधना करने की सीख देता है। इससे जहां समाज में अनुशासनिक परंपरा विकसित होती है तो वहीं लोगों में श्रद्धाभाव बढ़ता है। इस मौके पर कुंवर बहादुर, प्रधान पंकज मौर्य, जिलामंत्री भाजपा अजय कांत पटेल, राहुल यादव, मनीष श्रीवास्तव, अभिषेक पटेल, रामशंकर पाल, श्रवण वर्मा आदि मौजूद रहे।

मतदान कन्द्रों का स्थलीय निरीक्षण कर दें रिपोर्ट—डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों को लेकर डीएम व एसपी ने जोनल, सेक्टर व पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में लोकसभा मतदान की सभी तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही मतदान केन्द्रों का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने सभी जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट दें। निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित अधिकारी व कर्मचारी की जिम्मेदारी तय होगी। सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारियों के साथ मतदान केन्द्रों का दोबारा स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित एआरओ को अवगत करायें। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का उपयोग किसी भी रूप में चुनाव प्रचार—प्रसार के लिए नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते पाया जाय तो सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाई की जाय। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाय और बिना अनुमति के होर्डिंग, बैनर आदि नहीं लगाए जाएंगे। सार्वजनिक संपत्ति अथवा निजी सम्पत्तियों पर किसी भी प्रकार के विज्ञापन, पोस्टर व बैनर आदि लगाने से पहले संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना जरूरी है। बिना अनुमति के पोस्टर, बैनर लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाई की जाय। वहीं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने पुलिस अधिकारियों को संदिग्ध और अराजक तत्वों को चिन्हित करने व उनकी सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने नेटवर्क शैडो बूथों को भी चिन्हित करने को कहा। उन्होंने कहा कि श्रावस्ती नेपाल सीमा से लगा हुआ है। जहां से अवैध परिवहन, नगदी, शराब या अन्य नशे की सामग्री आने की संभावना रहती है। सभी थानाध्यक्ष अपने—अपने क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कर आने—जाने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखें। इस मौके पर एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, एसडीएम पीयूष जायसवाल, एसडीएम संजय कुमार, एसडीएम एसके राय आदि मौजूद रहे।

परीक्षा में पहला स्थान लाने वाले होनहारों को मिला पुरस्कार

संवाददाता—श्रावस्ती। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद होनहारों का सम्मान किया जा रहा है। परीक्षा में पहला स्थान लाने वाले परीक्षार्थियों को पूर्व शिक्षक ने सम्मानित किया। साथ ही 10—10 हजार रुपये का पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया।

यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में जगतजीत इण्टर कालेज इकौना के छात्र अमन गोस्वामी को जिले में पहला व प्रदेश में छठा स्थान मिला है। वहीं हाईस्कूल में शारदा इण्टर कालेज लालपुर प्रहलादा की छात्रा आद्या त्रिपाठी ने जिले में पहला स्थान हासिल किया है। मंगलवार को सेवानिवृत्त शिक्षक प्रेम सागर वर्मा ने उनके विद्यालय में पहुंच कर दोनों छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने इस मौके पर अमन व आद्या को 10—10 हजार रुपये नकद पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कह कि शिक्षण के दौरान छात्र का एकाग्र होना जरूरी है। जो अपने लक्ष्य को साधकर मेहनत करेगा और सफल होने का जुनून रखता है उसे हर कामयाबी मिलती है। इन दो छात्रों ने मेहनत किया और मुकाम हासिल कर माता पिता, गुरुजनों व अपने जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने छात्रों को आगे ऐसे ही मेहनत कर बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

दादी से लेकर पोता छह दशकों तक हटाते रहे गरीबी, नहीं हटा पाए तो देश ने उन्हें ही हटा दिया -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार देश के अंदर श्पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंसश मोदी जी के कारण आया है। इसका सर्वाधिक लाभ गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को मिला है। कांग्रेस, सपा व अन्य कई दलों का इंडी गठबंधन मोदी जी की जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की उपलब्धियों से बौखलाहट में है। इसी बौखलाहट के चलते कांग्रेस, सपा और उसके सहयोगी दल चुनाव में सामाजिक वैमनस्यता फैलाने की विभाजनकारी राजनीति पर आमादा हैं। जनता इनके मंसूबे को जानती है। इन्हें डकैती डालने की छूट नहीं देगी। मंगलवार सुबह गोरखपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा दिया था लेकिन छह दशक से अधिक शासन करने के बावजूद वह कभी गरीबी हटा नहीं पाई। छह दशक से अधिक समय तक श्दादी से लेकर पोते तकश इसी नारे से देश की जनता की आंखों में धूल झोंकने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सही मायने में अगर देखा जाए तो गरीबी हटाने और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ईमानदारी से, बिना भेदभाव हर व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में 25 करोड लोग गरीबी रेखा से उबरकर खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में चार करोड़ गरीब परिवारों को मकान मिला और अगले पांच साल में तीन करोड़ और लोगों को मकान देने का लक्ष्य भाजपा के संकल्प पत्र में दर्शित है। मोदी जी के शासन में गरीब कल्याण के कार्यों की एक लंबी श्रृंखला है। इसमें बारह करोड़ घरों में शौचालय बने, 50 करोड़ लोगों के जनधन एकाउंट खोले गए, 80 करोड़ लोगों को चार साल से मुफ्त राशन की सुविधा मिल रही है, 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा का कवर मिला, 10 करोड़ गरीबों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन मिले, 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि का लाभ मिला। सीएम योगी ने कहा कि आजादी के 70 वर्षों तक देश के अंदर सबसे अधिक समय तक कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने राज किया लेकिन उसके कुशासन के चलते करोडों लोग मकान, बिजली, नल, इलाज की सुविधा, शौचालय, रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरतों से वंचित रहे।

गरीबों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखने की दोषी कोई और नहीं, कांग्रेस और उसके पार्टनर हैं। जबकि इन करोडों वंचितों के जीवन में खुशहाली लाने वाले पीएम मोदी हैं। सीएम योगी ने कहा कि वास्तव में गरीब कल्याण की उपलब्धियां भाजपा सरकार के मूलमंत्र बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का साकार रूप हैं। कभी मोदी जी ने यह नहीं कहा कि ये मैंने किया। उन्होंने हमेशा कहा कि यह सबका विश्वास है, सबका प्रयास है। आज भी मोदी जी अपने भाषण में इस बात को कहते हैं की जनता को जो सबकुछ मिला है इसका श्रेय मुझे नहीं, जनता जनार्दन को है। क्योंकि, जनता जनार्दन ने अपने लोकतांत्रिक अधिकार की कीमत को समझा है। अपने वोट को सही जगह दिया तो उसका लाभ सही तरीके से मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और समूचे इंडी गठबंधन पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की राजनीति करके इंडी गठबंधन देश के साथ धोखा और गद्दारी कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस का परिवार सुपर पीएम बना होता था तो उस समय के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने किसके इशारे पर कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमान का है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस आज देश को मुसलमान और गैर मुसलमान के नाम पर, अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक के नाम पर बांटना चाहती है। यह देश 1947 में विभाजन की त्रासदी को देख चुका है और कांग्रेस की मंशा कभी पूरी नहीं होगी। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह लोग गरीबी तो नहीं हटा पाए लेकिन जिन्होंने अपनी मेहनत से मकान बनाए हैं, जमीन का प्लॉट लिया है, माताओं– बहनों ने अपने लिए जेवर बनाए हैं, कांग्रेस की कुदृष्टि उस पर पड़ी हुई है। कांग्रेस धार्मिक स्थलों की संपत्ति पर, बहन–बेटियों, माताओं की स्वयं की संपत्ति पर, लोगों द्वारा परिश्रम से अर्जित संपत्ति पर डकैती डालने की कुचेष्ठा करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के लिए अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काज की उक्ति को सटीक बताते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह पार्टी खुद कुछ परिश्रम करने की बजाय चुनाव में जाति, मत, मजहब के नाम पर विभाजन कर सामाजिक वैमनस्यता फैलाने ओर उतारू है। देश इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस खुद तो कुछ कर नहीं पाई और आज जब कार्य हो रहा है तो देश की जनता को गुमराह कर रही है। देश की जनता लोकतंत्र में जनार्दन का स्वरूप है। वह कांग्रेस के विभाजनकारी मानसिकता को समझती है और उन्हें देश के नागरिकों की संपत्ति पर डकैती डालने की छूट नहीं देगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग परिवार के नाम पर भारत की राजनीति को अपने बपौती मानकर चलते थे। जब भी अवसर मिला इन्होंने राष्ट्रीय हितों की अपूरणीय क्षति की। गरीब कल्याणकारी योजना में डकैती डालने कार्य किया। उन्होंने कहा कि कौन नहीं जानता है कि समाजवादी पार्टी के सरकार के अंदर खाद्यान्न घोटाले हुए थे। दर्जन भर जिलों में आज भी सीबीआई इंक्वारी चल रही है। इनसे जुड़े लोग गरीबों के राशन अब जाते थे। जब 2017 में मुझे मुख्यमंत्री का दायित्व मिला तो इस बात की जांच कराई थी। तब 30 लाख फेक राशन कार्ड पाए गए थे। इस फेक राशन कार्ड के नाम पर राशन निकलता था। राशन की सुविधा गरीब को नहीं मिलती थी, समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी को मिलती थी या उनके द्वारा प्रश्रय प्राप्त माफिया राशन हड़प जाते थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ई–पॉश मशीन से राशन वितरण होता है। भ्रष्टाचार मुक्त और पूर्णतः पारदर्शी व्यवस्था से।

सीएम योगी ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी व अन्य सहयोगी दलों मंशा को स्वीकार नहीं करेगी। लोकसभा के वर्तमान अभियान के दौरान जो चुनाव प्रचार की प्रक्रिया चल रही है और पहले चरण के चुनाव संपन्न हुए हैं, मेरा अनुमान है कि अगले 6 चरणों में भी जो परिणाम आने वाले हैं वहां पीएम मोदी के नाम और उनके काम से भारतीय जनता पार्टी को भरपूर आशीर्वाद प्राप्त होगा। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। हम पूर्ण विश्वास के साथ जनता जनार्दन के आशीर्वाद से फिर एक बार मोदी सरकार तथा अबकी बार 400 के लक्ष्य को प्राप्त करने को सफल होंगे।

हनुमान जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने की हनुमत महाप्रभु की आराधना, बच्चों पर लुटाया प्यार

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने चौत्र शुक्ल पूर्णिमा, हनुमान जयंती के पावन अवसर पर सुखदायक और शोकनाशक श्रीहनुमत महाप्रभु की विधि विधान से आराधना की। सभी नागरिकों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देखने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके अरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन के लिए प्रभु हनुमान से प्रार्थना की। लोकसभा चुनाव में पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार में सीएम योगी की व्यस्तता देशव्यापी है। प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में भी यह ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। युद्धस्तरीय चुनावी व्यस्तता के बीच सोमवार को अलीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जनसभा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम को गोरखपुर पहुंचे। गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन करने तथा अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर माथा टेकने के बाद उन्होंने रात विश्राम गोरखनाथ मंदिर में किया। मंगलवार सुबह सीएम योगी की परंपरागत दिनचर्या में हनुमान जयंती पर विशेष आराधना भी शामिल रही।

चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को होने वाले श्री हनुमत के प्रकटोत्सव के दिन उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में बजरंग बली की प्रतिमा के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और आरती उतारी। गोरखनाथ मंदिर में हनुमान जी के दो विग्रह स्थापित हैं। मुख्यमंत्री ने दोनों विग्रहों के समक्ष आराधना कर हनुमान जी से लोकमंगल की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बाल प्रेम जगजाहिर है। सारे प्रोटोकॉल परे कर बच्चों से मिलना, उनसे ठिठोली करना, उन्हें दुलारना, खूब पढ़ने का आशीर्वाद देना और चॉकलेट गिफ्ट करना न भूलना उनकी खासियत बन चुकी है। बच्चों के साथ उनकी ऐसी ही आत्मीयता का दृश्य मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में देखने को मिला। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सीएम योगी मंगलवार सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले थे। इस दौरान भ्रमण पथ पर उन्हें कुछ मासूम बच्चे भी टहलते हुए मिल गए।

ये बच्चे अपने परिजनों के साथ मंदिर आए थे। बच्चों को देखते ही मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उन्हें अपने पास बुला लिया। एक–एक करके सबके माथे पर हाथ फेरकर उन्होंने आशीर्वाद दिया और नाम पूछा। बच्चों ने अलग अलग अपने नाम राजकुमार गिरि, दिव्यांश, पर्णिका जायसवाल, मोनालिसा, सोनाली, जेम्स चौधरी और साहिल भारती बताए। सीएम योगी ने इस दौरान उनसे हंसी–ठिठोली की और दुलारते हुए सबको चॉकलेट गिफ्ट किया। जब ये बच्चे जाने लगे तो मुख्यमंत्री ने अभिभावकत्व भाव से कहा– खूब पढ़ना और खूब आगे बढ़ना।

तरकुलहा में महिलाओं के अपहरण की कोशिश, पुलिस ने दो को पकड़ा

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के तरकुलहा देवी स्थल में परिवार के साथ सोमवार की दोपहर कढ़ाही चढ़ाने आई महिला को तरकुलहा मेला में ही एक बोलेरो ने ठोकर मार दी। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज कराने का झांसा देकर नशे में धुत मनबढ़ महिला और उसकी भाभी को गाड़ी में बैठाकर बरहज चले गए। महिला के पति के सूचना के बाद हरकत में आई चौरीचौरा पुलिस ने पांच घंटे के बाद बोलेरो को बरामद कर लिया। घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

चौरीचौरा पुलिस ने बोलेरो में सवार दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। महिला के पति ने घटना की तहरीर पुलिस को दे दी है। देवरिया जनपद के थाना बरियारपुर के ग्राम कुसहरी निवासी लक्ष्मी नारायण मद्धेशिया सोमवार दोपहर में पत्नी बबिता भाभी चंदा और मां कमलावती देवी के साथ तरकुलहा देवी मंदिर पर कढ़ाही चढ़ाने और पूजा अर्चना करने के लिए आए थे। लक्ष्मी नारायण मद्धेशिया ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी बबिता और भाभी चंदा तरकुलहा मंदिर से प्रसाद चढ़ाकर अपराह्न तीन बजे आ रही थी। मेला परिसर में एक बोलेरो ने टक्कर मार दिया। जिससे वह घायल हो गई। बोलेरो में सवार लोग भीड़ में घिरता देख घायल पत्नी और भाभी को उपचार कराने के बहाने बैठाकर चले गए। चौरीचौरा में उपचार कराने बजाए उन्हें लेकर भागने लगे। पत्नी से फोन से बात करने पर गाली दे रहे थे। लक्ष्मी नारायण ने इसकी सूचना डायल 112 और चौरीचौरा पुलिस को दी। मामले को जानकारी पाकर एसओ आशीष सिंह और तरकुलहा चौकी इंचार्ज अभिषेक राय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। सक्रियता दिखाते हुए बोलेरो को बरहज में पकड़ लिया। आरोपी मऊ में राजस्व विभाग में तैनात है।

राममंदिर: तेज हुई निर्माण की गति

संवाददाता–अयोध्या। राममंदिर निर्माण की गति बढ़ा दी गई है। मंदिर सहित अन्य कई प्रकल्पों पर एक साथ काम चल रहा है। 161 फीट ऊंचे राममंदिर का निर्माण कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी को देखते हुए मजदूरों की संख्या 3500 से बढ़ाकर चार हजार कर दी गई है। राममंदिर के दूसरे तल व शिखर के निर्माण की गति बढ़ा दी गई है। राममंदिर के साथ–साथ परिसर में परकोटा, रिटेनिंग वॉल, सप्त मंडपम व शेषावतार मंदिर के जीर्णोद्धार का काम भी चल रहा है। ये सभी काम इसी साल के अंत तक पूरे किए जाने हैं, ऐसे में तय समय सीमा के भीतर काम पूरा करने को लेकर मजदूरों की संख्या बढ़ाई गई है। राममंदिर के प्रथम तल पर रामदरबार की स्थापना की जानी है। बताया जा रहा है कि राम दरबार की मूर्ति भी अरुण योगीराज ही बना सकते हैं। योगीराज ने ही राममंदिर में स्थापित बालकराम की मूर्ति को आकार दिया है। रामदरबार की स्थापना को लेकर ट्रस्ट की एक टीम ने अप्रैल के पहले सप्ताह में चेन्नई का दौरा किया था।

चैत्र पूर्णिमा पर रामनगरी में सरयू स्नान के लिए उमड़े भक्त

संवाददाता–अयोध्या। चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में भक्तों ने पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई और पूजा–अर्चना की। रामलला, कनक भवन सहित हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। प्रशासन की ओर से सरयू तट से लेकर मठ–मंदिरों तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई इसके बाद सरयू जल लेकर नागेश्वरनाथ मंदिर की ओर निकल पड़े। नागेश्वरनाथ मंदिर में अभिषेक–पूजन के लिए भक्तों की लंबी लाइन लगी रही। यहां से भक्तों का रेला हनुमानगढ़ी पहुंचा। हनुमान जयंती होने के कारण हनुमान जी को श्रद्धा अर्पित करने को लेकर भक्तों में होड़ रही। बड़ी संख्या में भक्तों ने हनुमंत लला के दरबार में हाजिरी लगाकर पूजा–अर्चना की। कुछ इसी तरह का दृश्य रामलला के दरबार में भी है। बड़ी संख्या में भक्तों ने रामलला की पूजा–अर्चना की।

सड़क दुर्घटना में चार घायल, गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार क्षेत्र के गोरखपुर–देवरिया फोरलेन पर फॉरेस्ट क्लब के पास मंगलवार को फोरलेन के किनारे खड़ी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर बैगन आर कार ने टक्कर मार दी। इससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

नौसढ़ निवासी उपेंद्र सिंह मंगलवार को फॉरेस्ट क्लब के पास अपनी स्कॉर्पियो फोरलेन के किनारे खड़ी कर गन्ने का जूस पी रहे थे। तभी वहां से गुजर रही एक बैगन आर कार अनियंत्रित होकर स्कॉर्पियो के पीछे तेज स्पीड में टकरा गई। बैगन आर में सवार गौरवरसाइत गांव की गुड्डी देवी पत्नी संजय, जीगर पुत्र संजय, अगहर निवासिनी हदीशन पत्नी हमीद और खोराबार की शोभा पत्नी कन्हैया लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं0 11/2022
श्रीमती चनरपाती (मृतक) आदि
बनाम
मग्धू

1. मग्धू (मृतक) 1/1 रामचन्दर उम्र लगभग 35 साल 1/2 भदई उम्र लगभग 30 साल 1/3 मनोज उम्र लगभग 25 साल 1/4 ढ़ोढ़े उम्र लगभग 21 साल पुत्रगण मग्धू साकिनान मौजा पड़री तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती–रेस्पाण्डेन्टियान

तारीख पेशी 28–05–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 23 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम् अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण अपील सं0 42/2018
कृष्णचन्दर शुक्ला
बनाम
राजेन्द्र कुमार

1. अमरेस पुत्र रामभवन 2. बबलू नावागिल द्वारा संरक्षिका श्रीमती सुमित्रा देवी प्राकृतिक मां 3. श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी रामभवन साकिनान मौजा भुवनी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 24–04–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान सप्तम् अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं0 62/2022
अब्दुल समद आदि
बनाम
मजीबुन्निशा आदि

6/1 असरून्निशा विधवा हयात मोहम्मद 6/2 मुश्ताक पुत्र हयात मोहम्मद 8. रहमतुल्लाह पुत्र शकूर मोहम्मद साकिनान मौजा छपिया माफी तप्पा उजियार परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
–रेस्पाण्डेन्टियान/प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 10–05–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 05 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 435/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
छेदीलाल
बनाम
रेनू आदि

1. रेनू पत्नी अनूप कुमार 2. धनपता पत्नी राम प्रसाद 3. प्रहलाद पुत्र राम बहादुर निवासीगण ग्राम चेतरा तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. राजेन्द्र प्रसाद 5. पप्पू पुत्रगण राजाराम 6. गीता देवी पत्नी स्व0 राजाराम 7. मनोज कुमार पुत्र बाबूराम 8. झिनकना देवी पत्नी बाबूराम 9. राजेन्द्र 10. रामसजीवन 11. राम सुभावन 12. अजय कुमार 13. शनिकुमार पुत्रगण रामशब्द निवासीगण ग्राम चेतरा तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 197/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
शिवभवन
बनाम
रामशंकर आदि

1. रामशंकर पुत्र जोखू ग्राम परसरामपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामचरन पुत्र बदल 3. बिन्दू शुक्ला पत्नी कमलेश 4. शिव कुमार पुत्र रामकरन 5. गेना देवी उर्फ गेदा देवी पत्नी रामकरन साकिनान मौजा परसरामपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 01–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 447/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती फूला देवी आदि
बनाम
जोगेन्द्र आदि

1. जोगेन्द्र प्रसाद 2. राजेन्द्र प्रसाद पुत्रगण रामदीन 4. राम अधारे पुत्र रामदेव 5. श्रीमती सुभावती देवी पत्नी राम अधारे निवासीगण ग्राम खम्हरिया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 64/2021
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
राजेन्द्र प्रसाद आदि
बनाम
इन्द्रबहादुर चौधरी

1. इन्द्रबहादुर चौधरी पुत्र रामवृक्ष निवासी ग्राम थाल्हापार तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला–बस्ती
विफई
बनाम
बुधई

1. खरचू पुत्र प्रताप साकिन भरवलिया उर्फ टिकुइया तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील वो जिला बस्ती 2. रामकिशुन पुत्र सुखई साकिन शंकरपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील वो जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 16 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com